Cambridge Assessment International Education

Cambridge IGCSE™

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER

CANDIDATE NUMBER

9175119026

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **October/November 2020**

2 hours

You must answer on the question paper.

No additional materials are needed.

INSTRUCTIONS
- Answer **all** questions.
- Use a black or dark blue pen.
- Write your name, centre number and candidate number in the boxes at the top of the page.
- Write your answer to each question in the space provided.
- Do **not** use an erasable pen or correction fluid.
- Do **not** write on any bar codes.
- Dictionaries are **not** allowed.

INFORMATION
- The total mark for this paper is 60.
- The number of marks for each question or part question is shown in brackets [ ].

This document has **16** pages. Blank pages are indicated.

KI 187671/3
© UCLES 2020

[Turn over

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 1: प्रश्न 1–6

'मीता चटर्जी' आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

17 वर्षीया मीता चटर्जी लंदन के एक माध्यमिक विद्यालय में 'ए लेवल' की छात्रा है। वह ए लेवल पूरा करने के बाद गणित और कम्प्यूटर विज्ञान में डिग्री हासिल करना चाहती है। उसके नाना-नानी कोलकाता के पास कल्याणी नगर में रहते हैं। वह पिछले साल गर्मी की छुट्टियों में अपने माता-पिता के साथ अपने नाना-नानी से मिलने गई थी। वहाँ उसकी जान-पहचान नानी के पड़ौस में रहने वाली लड़की, शोभना से हुई। शोभना उसकी हम उम्र थी और उसी की तरह 12वीं कक्षा में पढ़ रही थी।

एक दिन उसके साथ अपने विद्यालय और पढ़ाई के विषयों में बातें करते समय मीता को यह जान कर बहुत धक्का लगा कि शोभना के सरकारी विद्यालय में कम्प्यूटर-विज्ञान पढ़ाने के लिए कोई सुविधा नहीं थी। वह और उसके सहपाठी पुस्तकालय में जाकर किताबों से पढ़ कर कप्यूटिंग सीखने की कोशिश कर रहे थे। परीक्षा निकट थी जिसकी वज़ह से शोभना बहुत चिंतित और परेशान थी।

छुट्टियाँ पूरी होने पर लंदन लौट कर मीता ने अपने कम्प्यूटर-विज्ञान के शिक्षक की मदद से और कुछ मित्रों के साथ मिल कर एक कम्प्यूटर-कोड-कैम्प शुरू किया। उसके अंतर्गत उसने कल्याणी नगर में शोभना और उसके साथियों को कम्प्यूटर-कोड बनाना सिखाना शुरू किया। धीरे-धीरे पश्चिम बंगाल के दूसरे गाँवों में छात्रों को इसकी ख़बर लगी और उससे कम्प्यूटर सम्बन्धी सवाल पूछने वालों की लम्बी कतार लगने लगी। अब तक वह 1800 छात्रों की सहायता कर चुकी है। अपनी परीक्षा की तैयारी करने के समय उसने अपने सहपाठियों से मिलकर स्वयंसेवकों का एक दल बना लिया जो बारी-बारी से इस प्रशिक्षण को जारी रखने में उसकी सहायता करते हैं।

आधुनिक कार्यकारी जीवन में सफलता पाने के लिए कम्प्यूटर-ज्ञान की आवश्यकता को मीता अच्छी तरह से समझती है। मीता के उदाहरण से प्रेरित हो कर कल्याणी नगर के कुछ छात्र अब स्वयं भी अपने आसपास के गाँवों के बच्चों को कम्प्यूटर का उपयोग करना सिखा रहे हैं। अपने प्रयास की सफलता से उत्साहित होकर मीता 'ए लेवेल' पूरा करने के बाद लंदन के एक प्रवंचित इलाके में सप्ताहांत में कम्प्यूटर क्लब शुरू करने वाली है। वह समाज में सभी बच्चों को अपनी क्षमता को पूरी तरह से उपलब्ध करने का समान अवसर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

© UCLES 2020

https://xtremepape.rs/

1 मीता कल्याणी नगर क्यों गई थी?

.... [1]

2 मीता को वहाँ किस बात से दु:ख हुआ?

.... [1]

3 उसने छात्रों की सहायता करने के लिए क्या कदम उठाया?

.... [1]

4 कम्प्यूटिंग सिखाने के लिए मीता ने किन **दो** व्यक्तियों से मदद ली?

- ....
- .... [2]

5 उसकी योजना से कल्याणी नगर के छात्रों पर पड़े **दो** सकारात्मक प्रभावों के बारे में लिखिए।

- ....
- .... [2]

6 मीता लंदन में कम्प्यूटर क्लब क्यों शुरू करना चाहती है?

.... [1]

[पूर्णांक 8]

© UCLES 2020

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 2: प्रश्न 7–15

'उत्तर भारत की एक झाँकी - विलियम स्मिथ के साथ' के बारे में छपे इस लेख को ध्यान से पढ़ें। प्रश्न 7 से 15 का उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों (A से D) में से सही अनुच्छेद चुन कर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाएँ। अनुच्छेदों को एक से अधिक बार चुना जा सकता है।

A तारीख: 1–8 जनवरी 2020
उत्तर भारत के सुंदर और ऐतिहासिक शहरों के दर्शन का एक सुनहरा अवसर!
जिसमें शामिल हैं भारत के तीन रमणीय ऐतिहासिक शहरों के पर्यटन।
उत्तर भारत के प्रसिद्ध गोल्डेन ट्राएंगल - जयपुर, दिल्ली और आगरा की स्थल यात्रा के दौरान प्रसिद्ध इतिहासकार और यात्रा-लेखक, विलियम स्मिथ विस्तृत जानकारी देंगे। विलियम स्मिथ इस यात्रा में दिल्ली से शामिल होंगे और स्थानीय इतिहास के महत्व की जानकारी देने के साथ-साथ दर्शनीय स्थानों के स्थापत्य और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालेंगे। अपने लेखन और यात्राओं के दौरान विलियम स्मिथ को अनेक रोचक अनुभव हुए हैं और आशा है कि वे उन्हें यात्रियों के साथ बाँट कर उनका ज्ञानवर्धन और मनोरंजन करेंगे।

B विलियम स्मिथ केम्ब्रिज विश्वविद्यालय से इतिहास की डिग्री हासिल करने के बाद विश्व-भ्रमण करने निकले और सारी दुनिया घूमने के बाद भारत में बस गए। वे 16वीं शताब्दी के भारत की संस्कृति और इतिहास पर शोध कर रहे हैं। भारत के सांस्कृतिक इतिहास से उन्हें ख़ास लगाव है और वहाँ के विभिन्न प्रदेशों की जलवायु की विविधता से उनका कभी मन नहीं भरता। इन स्थानों के वन्य जीवन और वनस्पतियों में वे गहरी रुचि लेने लगे और यहाँ तक कि इनकी विशेषताओं और महत्व से जुड़े किस्से-कहानियों का उनके पास बड़ा भंडार भी है। पिछले कई वर्षों से देश-दर्शन के अपने शौक को पूरा करने के साथ अपनी स्थानीय जानकारी का उपयोग करने के लिए वे यात्रा-निर्देशक बने। अपनी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के बावज़ूद यह सारा इलाका वर्षा और पानी के अभाव से ग्रस्त रहा है। इसका सामना करने के लिए पानी के संरक्षण और जमाव के लिए कई पारम्परिक पद्धतियाँ अपनाई गईं जिनकी वर्तमान युग में सार्थकता और बढ़ गई है। विलियम स्मिथ की इन पारम्परिक रीतियों में भी विशेष रुचि है। उनके लिखे यात्रा संस्मरण अनेक भाषाओं में अनूदित और पुरस्कृत हो चुके हैं। पर्यटन में उनका साथ यात्रा के आनन्द में इज़ाफा करेगा।

C यात्रा-क्रम:
लंदन से दिल्ली: हवाई यात्रा
भारत की राजधानी दिल्ली: आधुनिक जीवन पद्धति और पुरातन का अभूतपूर्व सम्मिश्रण!
दर्शनीय स्थान: चाँदनी चौक, राजपथ, इंडिया गेट, संसद भवन, राजघाट, गाँधी-स्मारक, कुतुब मीनार, अक्षरधाम मंदिर, जंतर-मंतर, लाल किला और पुरानी दिल्ली के बाज़ार जहाँ हस्तशिल्प के उत्कृष्ट नमूने देखने और खरीदने का अवसर।
प्रसिद्ध शताब्दी रेल से दिल्ली से आगरा की यात्रा।
4000 वर्ष पुरानी पारम्परिक संस्कृति और इतिहास-पीठ - आगरा!
दर्शनीय स्थान: स्थापत्यकला के चरम उत्कर्ष, विश्व धरोहर स्थान ताजमहल और हिंदू-इस्लाम-स्थापत्य कला के मेलजोल से बना फतेहपुर सीकरी, जिसे शहंशाह अकबर ने हिंदुस्तान की राजधानी बनाया था।
वातानुकूलित डीलक्स बस द्वारा आगरा से जयपुर की यात्रा, मार्ग के प्राकृतिक दृश्य देखने के अवसर।
गुलाबी शहर जयपुर के शाही पैलेस होटल में दो रात बिताने का अभूतपूर्व अनुभव!
ऐतिहासिक किलों और महलों की पृष्ठभूमि में सुन्दर आभूषण भव्य हस्तशिल्प, भित्ति-चित्र, रंगबिरंगे परिधान देखने और 'चोखी ढाणी' में पारम्परिक राजस्थानी भोजन, संस्कृति, लोक गीत तथा नृत्य कला से परिचय के अवसर।

https://xtremepape.rs/

D टिकट में शामिल है:
लंदन से दिल्ली का वापसी टिकट,
दस दिन की यात्रा के रेल और वातानुकूलित बस के टिकट,
शाही पैलेस और 4 सितारा होटलों में रहने की व्यवस्था,
यात्रा के दौरान भोजन, पेय और दर्शनीय स्थानों के प्रवेश शुल्क,
प्रसिद्ध इतिहासकार विलियम स्मिथ की वार्ता,
विलियम स्मिथ की यात्रा-संस्मरण-पुस्तक उनके हस्ताक्षर सहित।
शामिल नहीं है:
अनिवार्य व्यक्तिगत यात्रा-बीमा।

https://xtremepape.rs/

नीचे दिए गए वक्तव्यों (7–15) को पढ़िए तथा कोष्ठक में सही का निशान लगा कर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद (A–D) किस वक्तव्य से सम्बंधित है।

उदाहरण:

पर्यटन की निर्धारित तारीख 1–8 जनवरी 2020 है।

A ☑ B ☐ C ☐ D ☐

7 विलियम स्मिथ के यात्रा संस्मरण को पुरस्कार मिल चुके हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

8 दिल्ली में ऐतिहासिक और आधुनिक संस्कृति एक साथ देखने को मिलती है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

9 यात्रा के दौरान जल-संरक्षण के पुराने तरीकों की जानकारी मिलेगी।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

10 विलियम स्मिथ यात्रियों के साथ अपने यात्रा के अनुभव बाटेंगे।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

11 यात्रियों को अपनी यात्रा-बीमा का खर्च स्वयं उठाना होगा।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

12 राजस्थान की संस्कृति की जानकारी लोकगीतों से मिलती है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

13 जयपुर की इमारतें गुलाबी रंग की हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

© UCLES 2020

https://xtremepape.rs/

14 यात्रियों को ऐतिहासिक संग्रहालय के प्रवेश शुल्क अलग से नहीं देने होंगे।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

15 विलियम स्मिथ को भारत के ऐतिहासिक स्थानों की बहुत जानकारी है।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

[पूर्णांक 9]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

'भावनात्मक मेधा' के बारे में निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

मानव मस्तिष्क के बायीं ओर के भाग को बुद्धिमत्ता तथा तकनीकी ज्ञान और दायें भाग को भावनात्मक मेधा का क्षेत्र माना जाता है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए इंटेलिजेंट कोशेंट अर्थात बुद्धि-परीक्षा-अंक के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस अर्थात भावनात्मक मेधा को विकसित करना आवश्यक है। शिक्षा संस्थाओं में विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर (बाँए ओर के मस्तिष्क) को विकसित किया जाता है जो बाह्य जगत से ही सरोकार रखता है। परंतु मस्तिष्क के दाहिने ओर का भाग अत्यंत महत्वपूर्ण होता है जो मनुष्य के भावनात्मक पक्ष वाला होता है (प्राय: इसे हृदय की संज्ञा दी जाती है)। बीसवीं सदी के अंत में मैनेजमेंट के वैज्ञानिक शोध से प्रमाणित हुआ है कि कार्यक्षेत्र में 80% सफलता उन लोगों को मिली है जो दूसरों को समझने की कला जानते हैं और केवल 20% सफलता तकनीकी योग्यता वाले व्यक्तियों को मिली है।

भावनात्मक मेधा लोगों से व्यवहार का विज्ञान है और वह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके आधार पर ही हमारी सफलता या असफलता टिकी रहती है। भावनात्मक मेधा हमारी उस क्षमता को दर्शाता है जिसके तहत हम अपनी भावनाओं के साथ-साथ दूसरों की भावनाओं को समझ पाते हैं और उनके साथ सकारात्मक व्यवहार करके स्वस्थ सम्बन्ध स्थापित करने में सफल होते हैं। भावनात्मक मेधा के विकास से व्यक्ति का दृष्टिकोण व्यापक होता है, लोगों के साथ आपसी सम्बन्ध और व्यवहार में सुधार आता है। मानसिक कुंठा दूर होती है, व्यक्ति आत्मविश्लेषक बनता है जिसके तहत वह कुशलता पूर्वक अपना कार्य सम्पन्न करता है। यह व्यक्ति को अच्छे और बुरे का विवेक करना और अच्छे के साथ रहना सिखाती है। प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डेनियल गोलमेन के अनुसार भावनात्मक मेधा स्वयं के प्रति जागरूकता, नियंत्रण, संवेदनशीलता और सामाजिक दक्षता सिखाती है। फलस्वरूप हम कार्यक्षेत्र में आने वाली जटिल बाधाओं को लाँघ जाते हैं तथा अपने निजी जीवन में भी सफ़ल नेतृत्व का परिचय देते हैं।

प्रसिद्ध हिंदू दार्शनिक और सन्यासी स्वामी विवेकानन्द में भावनात्मक मेधा बहुतायत में थी। उनके अनुसार दूसरों से व्यवहार करने की योग्यता ही सबसे महत्वपूर्ण कला है, 'बुद्धि की नितांत आवश्यकता है क्योंकि इसके अभाव में हम बड़ी अपरिपक्व भूलें कर सकते हैं। पर सच्ची सहायता तो हृदय से आती है। क्या तुम अन्य लोगों के बारे में संवेदनशील हो? यदि ऐसा नहीं है तो तुम एक शुष्क बुद्धिजीवी बन कर रह जाओगे और कुछ नहीं। यदि तुम अनुभव कर सकते हो तो एक भी पुस्तक बिना पढ़े और किसी भाषा का ज्ञान न होने पर भी तुम सही मार्ग पर रहोगे।' स्वयं के प्रति जागरूकता से तात्पर्य अपने व्यवहार का विश्लेषण करते हुए अपनी ग़लती को पहचान कर उसमें सुधार करना है।

विवेकानन्द भावनात्मक मेधा के आदर्श हैं। वे अपनी ग़लतियों को नकार कर एक झूठी प्रतिष्ठा के अहसास में नहीं जीते थे, वरन उनमें अपनी ग़लतियों का सामना करने का एक विलक्षण तरीका था। एक बार जब वे पाश्चात्य देशों की यात्रा करके भारत लौटे, लोगों ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया। किंतु कुछ लोग ऐसे भी थे जो उनका स्वागत करने के विरोधी थे। जब वे चेन्नई पहुँचे तो एक पण्डित ने उनसे कहा कि केवल ब्राह्मण को ही सन्यासी बनने का अधिकार है इसलिए ब्राह्मण न होने के कारण उन्हें यह अधिकार नहीं है। वे इस बात से बहुत विचलित हुए और इस बात पर उन दोनों में तीव्र विवाद हुआ। कुछ दिनों बाद उनके एक अनुयायी ने उनसे पूछा कि क्या यह सच है कि आपको जिस पण्डित ने 'अस्पृश्य' कहा था आपने उसे जवाब दिया था कि जो उन्हें ऐसा कह रहा है 'वह म्लेच्छों में भी सबसे बड़ा म्लेच्छ है।' विवेकानन्द ने जवाब दिया कि क्रोध में आकर उन्होंने जो अपशब्द कहे थे, वे सर्वथा अनुचित थे और उन्हें इस बात का बहुत खेद है। अपने क्रोध को वश में न कर सकने के अनुभव से उन्होंने कठिन आलोचना सुनकर भी अविचलित रहना सीखा जो एक भावनात्मक मेधा सम्पन्न व्यक्ति ही कर सकता है।

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

'भावनात्मक मेधा' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक (16 से 19) के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।

16 बुद्धि-परीक्षा-अंक और भावनात्मक मेधा का अंतर

- ....
- .... [2]

17 भावनात्मक मेधा की परिभाषा और **दो** प्रभाव

- ....
- ....
- .... [3]

18 स्वामी विवेकानन्द की **तीन** मान्यताएँ

- ....
- ....
- .... [3]

19 स्वामी विवेकानंद की भावनात्मक जागरूकता का उदाहरण

- .... [1]

[पूर्णांक 9]

अभ्यास 4 में आप आलेख और अपने नोट्स के आधार पर 'भावनात्मक मेधा' शीर्षक लेख का सारांश लिखेंगे।

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 4: प्रश्न 20

अभ्यास 3 के 'भावनात्मक मेधा' आलेख में भावनात्मक मेधा की व्याख्या और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उसके योगदान का वर्णन है।

अभ्यास 3 के आलेख और अपने बनाए नोट्स के आधार पर उसका सारांश लिखें। आपका सारांश **100 शब्दों** से अधिक नहीं होना चाहिए।

आप यथासंभव **अपने शब्दों** में लिखें।

आपको **अंतर्वस्तु के लिए** अधिकतम **4** अंक और **सटीक और संक्षिप्त भाषा-शैली के लिए** अधिकतम **6** अंक दिए जाएंगे।

भावनात्मक मेधा: परिभाषा और महत्व

© UCLES 2020

https://xtremepape.rs/

.... [10]

[पूर्णांक 10]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 5: प्रश्न 21

आप एक मित्र की 16वीं वर्षगाँठ के आयोजन में आमंत्रित किए गए / गई हैं।
अपने मित्र को ई-मेल द्वारा सूचित करें कि अस्वस्थ होने के कारण आप उनके जन्मदिन के उत्सव में भाग नहीं ले सकेंगे / सकेंगी। आपके ई-मेल में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए:

- आमंत्रण के लिए धन्यवाद
- भाग न ले पाने के कारण और निराशा
- मित्र को जन्मदिन की शुभकामना।

आपका इ-मेल लगभग 120 शब्दों में होना चाहिए। आपको पता लिखने की आवश्यकता **नहीं** है।

आपको **3** अंक अंतर्वस्तु के लिए और **5** अंक **सटीक** भाषा और शैली के लिए दिए जाएंगे।

https://xtremepape.rs/

[8]

[पूर्णांक 8]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 6: प्रश्न 22

सोशल मीडिया ने दूर-संवाद के नये रास्ते खोलने के साथ-साथ प्रत्यक्ष-संवाद की आत्मीयता को हानि पहुँचाई है।

आप कहाँ तक इस मत से सहमत हैं? अपने विचारों को समझाते हुए स्कूल पत्रिका के लिए अपना लेख **लगभग 200** शब्दों में लिखिए। आपका लेख विषय की जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

सोशल मीडिया द्वारा हम संसार के किसी भी कोने में लोगों से जुड़ सकते हैं...

सोशल मीडिया में व्यस्त होकर हम आमने-सामने बातचीत करने की कला भूलते जा रहे हैं...

ऊपर दी गई टिप्पणियाँ आपके लेखन के लिए दिशा प्रदान कर सकती हैं। इनके माध्यम से आप अपने विचारों को विस्तार दीजिए।

लिखित प्रस्तुति पर अंर्तवस्तु के लिए 8 अंक तक और सटीक भाषा के लिए भी 8 अंक तक दिए जाएंगे।

© UCLES 2020

https://xtremepape.rs/

[16]

[पूर्णांक 16]

© UCLES 2020

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which itself is a department of the University of Cambridge.

https://xtremepape.rs/